भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1607

09.02.2026 को उत्तर के लिए

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम का स्वतंत्र मूल्यांकन

1607. डॉ. प्रभा मल्लिकार्जुनः

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) की शुरुआत के बाद से दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के निकटवर्ती जिलों में वायु प्रदूषण को कम करने में इसकी प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए इसका कोई स्वतंत्र मूल्यांकन किया है; और

(ख) यदि हां, तो वर्ष 2019 और 2025 के बीच पीएम 2.5 और पीएम 10 सांद्रता में कितने प्रतिशत की कमी आई है और ऐसे मूल्यांकन का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यावरण,वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) और (ख): प्रदूषण नियंत्रण योजना जिसमें राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) भी एक घटक है, का स्वतंत्र मूल्यांकन दिसंबर, 2020 और अगस्त, 2025 में किया गया है। नवीनतम मूल्यांकन रिपोर्ट में पाया गया कि एनसीएपी का लक्ष्य अवसंरचना, स्थानीय कार्य योजनाओं और संस्थागत तंत्र द्वारा संधारणीय वायु-गुणवत्ता प्रबंधन है। इस कार्यक्रम ने भारत के वायु-गुणवत्ता प्रबंधन ढांचे को मजबूत करने और कई परिवेशी वायु गुणवत्ता में सुधार करने में मापने योग्य प्रगति दिखाई है।

एनसीएपी के तहत 130 शहरों में किए गए केंद्रित और समन्वित कार्यों में सकारात्मक परिणाम दिखाई दिए हैं, जिसमें 103 शहरों ने वर्ष 2017-18 के सापेक्ष वर्ष 2024-25 में पीएफ 10 सांद्रता में कमी दिखाई है, 64 शहरों में आधार वर्ष 2017-18 के सापेक्ष पीएम10 स्तरों में 20% से अधिक की कमी देखी गई है और इनमें से 25 शहरों में 40% से अधिक की प्रदूषण स्तरों में कमी प्राप्त की है। कुल 22 शहरों ने राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों (एनएएक्यूएस) को पूरा किया है और उनमें पीएम10 सांद्रता 60 µg/m3 से कम है।

इसके अलावा, एनसीएपी के अंतर्गत आने वाले 130 शहरों में से 40 शहरों में वर्ष 2019 की तुलना में वर्ष 2024 में पीएम2.5 स्तरों में कमी दिखाई है; 2024 में 56 शहरों ने पीएम2.5 (वार्षिक मानक 40 µg/m²) के लिए राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक (एनएएक्यूएस) को पूरा किया है।

****